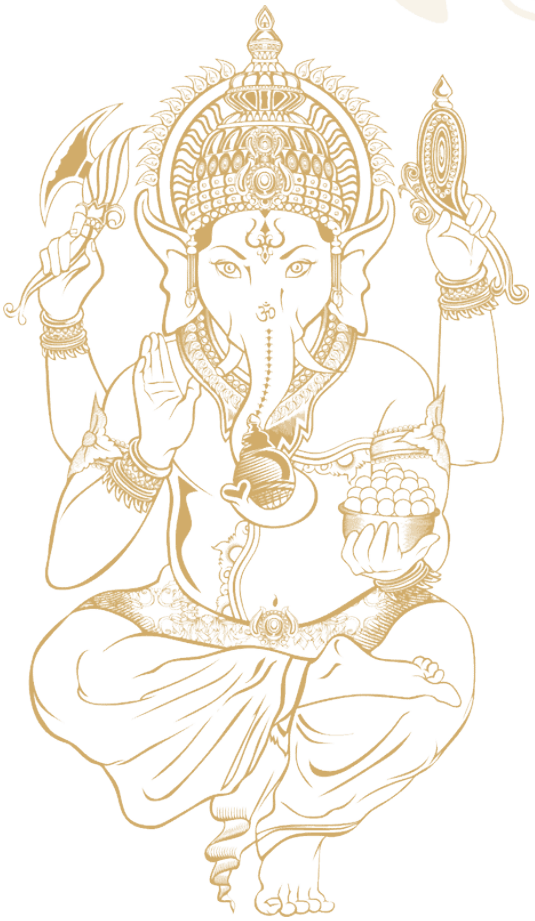

Mr.a

01 Feb 2006

03:15 PM

Soro

Model: web-freekundliweb

Order No: 119146502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/02/2006**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:15:00 घंटे**
इष्ट	22:16:30 घटी
स्थान	**Soro**
राज्य	Odisha
देश	India

अक्षांश	21:18:00 उत्तर
रेखांश	86:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:17:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:32:16 घंटे
वेलान्तर	-00:13:34 घंटे
साम्पातिक काल	00:18:07 घंटे
सूर्योदय	06:20:23 घंटे
सूर्यास्त	17:32:25 घंटे
दिनमान	11:12:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:26:57 मकर
लग्न के अंश	18:54:57 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शिव
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:54:57	320:54:53	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			मक	18:26:57	01:00:55	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	28:04:56	14:48:09	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मेष	28:17:17	00:26:25	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध		अ	मक	22:23:49	01:45:37	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			तुला	23:25:23	00:05:33	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र	व		धनु	22:09:35	00:04:50	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि	व		कर्क	13:33:25	00:04:54	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	11:41:26	00:01:54	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	11:41:26	00:01:54	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	15:12:37	00:03:10	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	---
नेप			मक	23:09:36	00:02:17	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
प्लूटो			धनु	01:58:48	00:01:41	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	10:59:32	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:31

लग्न-चलित

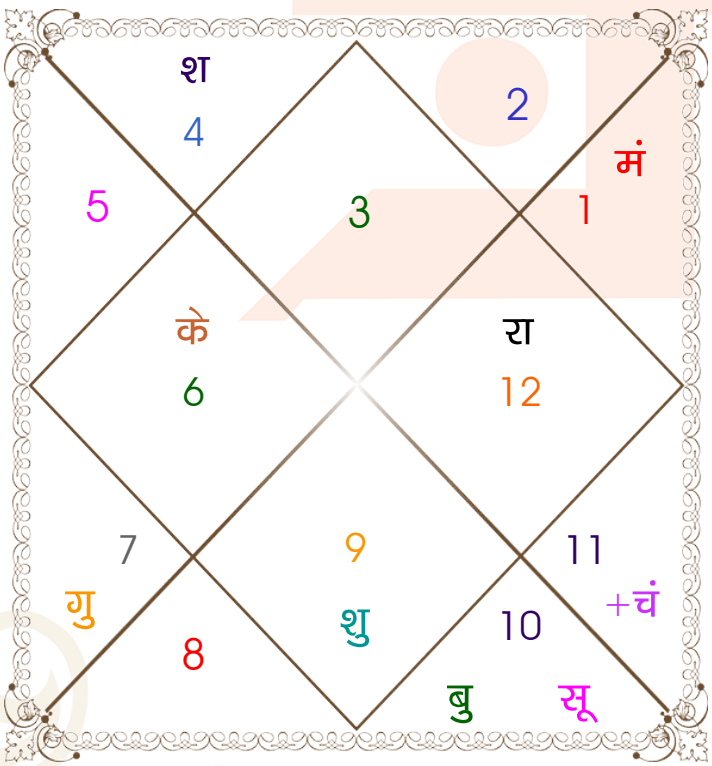

चन्द्र कुंडली

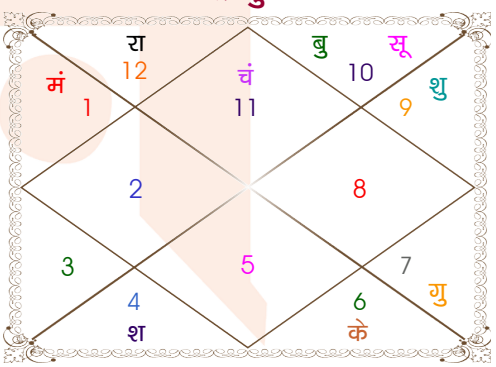

नवमांश कुंडली

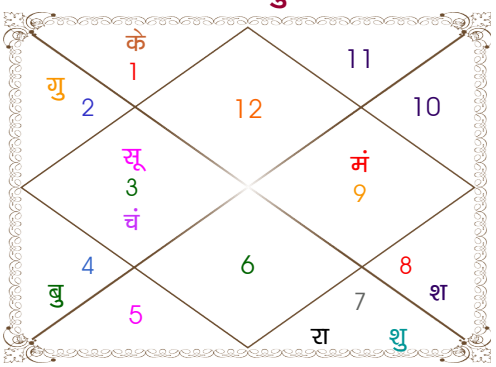

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 3 मास 18 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/02/2006		22/05/2012		22/05/2031		22/05/2048		22/05/2055	
22/05/2012		22/05/2031		22/05/2048		22/05/2055		22/05/2075	
	00/00/0000	शनि	26/05/2015	बुध	18/10/2033	केतु	18/10/2048	शुक्र	21/09/2058
	00/00/0000	बुध	02/02/2018	केतु	15/10/2034	शुक्र	18/12/2049	सूर्य	21/09/2059
	00/00/0000	केतु	13/03/2019	शुक्र	15/08/2037	सूर्य	25/04/2050	चंद्र	22/05/2061
	01/02/2006	शुक्र	13/05/2022	सूर्य	22/06/2038	चंद्र	24/11/2050	मंगल	22/07/2062
शुक्र	03/12/2006	सूर्य	25/04/2023	चंद्र	21/11/2039	मंगल	22/04/2051	राहु	22/07/2065
सूर्य	21/09/2007	चंद्र	23/11/2024	मंगल	17/11/2040	राहु	10/05/2052	गुरु	22/03/2068
चंद्र	20/01/2009	मंगल	02/01/2026	राहु	07/06/2043	गुरु	15/04/2053	शनि	22/05/2071
मंगल	27/12/2009	राहु	08/11/2028	गुरु	12/09/2045	शनि	25/05/2054	बुध	22/03/2074
राहु	22/05/2012	गुरु	22/05/2031	शनि	22/05/2048	बुध	22/05/2055	केतु	22/05/2075

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
22/05/2075		22/05/2081		22/05/2091		22/05/2098		23/05/2116	
22/05/2081		22/05/2091		22/05/2098		23/05/2116		00/00/0000	
सूर्य	09/09/2075	चंद्र	22/03/2082	मंगल	19/10/2091	राहु	02/02/2101	गुरु	11/07/2118
चंद्र	10/03/2076	मंगल	21/10/2082	राहु	05/11/2092	गुरु	29/06/2103	शनि	21/01/2121
मंगल	15/07/2076	राहु	21/04/2084	गुरु	12/10/2093	शनि	05/05/2106	बुध	29/04/2123
राहु	09/06/2077	गुरु	21/08/2085	शनि	21/11/2094	बुध	21/11/2108	केतु	04/04/2124
गुरु	28/03/2078	शनि	23/03/2087	बुध	18/11/2095	केतु	10/12/2109	शुक्र	02/02/2126
शनि	10/03/2079	बुध	21/08/2088	केतु	15/04/2096	शुक्र	10/12/2112		00/00/0000
बुध	15/01/2080	केतु	22/03/2089	शुक्र	15/06/2097	सूर्य	03/11/2113		00/00/0000
केतु	22/05/2080	शुक्र	21/11/2090	सूर्य	21/10/2097	चंद्र	05/05/2115		00/00/0000
शुक्र	22/05/2081	सूर्य	22/05/2091	चंद्र	22/05/2098	मंगल	23/05/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।